



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 1977/पौष 29, 1898

No. 23] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 1977/PAUSA 29, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 19th January 1977

S O. 31(E)718FB/IDRA/77.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No S.O. 72(E)/18FB/IDRA/74, dated the 29th January, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs. Hind Cycles Limited Bombay (Bombay unit), or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period,

And, whereas, the duration of the said Order was extended upto the 28th January, 1977,

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of the 28th January, 1978,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 28th January, 1978

[No F 2(16)/73-CUC]

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

का० आ० 31(अ)/18चख/उ० वि० वि० अ०/77.—केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 72(असा०)/18चख उ० वि० वि० अ०/74, तारीख 29 जनवरी 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा यह घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी सविदाओं सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं), जिसको मैसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड, मुम्बई (मुम्बई यूनिट) नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम की स्वामी कम्पनी एक पत्रकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्रोदभूत या उदभूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ तथा दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे।

और उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी, 1977 तक बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी, 1978 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है बढ़ाती है।

[स० फा० 2 (16)/73-सी० यू० सी०]

S.O 32(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No S.O 71(E)/18FB/IDRA/74, dated the 29th January, 1974, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the

said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Hind Cycles Limited, Bombay (Ghaziabad Unit), or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period,

And, whereas, the duration of the said Order was extended upto the 28th January, 1977,

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of the 28th January, 1978,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 28th January, 1978

[No F. 2(16)/73-CUC]

A K GHOSH, Addl. Secy.

का० आ० 32(अ) '18 चख/उ०वि०वि अ० 77.—केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स० का० आ० 71 (असा०) 18 चख/उ०वि०वि० अ०, 74 तारीख 29 जनवरी, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा यह घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी सविदाओं सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनमें भिन्न जो वेको और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित है) जिसको मैसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड, मुम्बई (गाजियाबाद यूनिट) नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम को स्वामी कम्पनी एक पत्रकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्रोदभूत या उदभूत होने वाली सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ तथा दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे,

और उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी, 1977 तक बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी, 1978 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की कालावधि 28 जनवरी, 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[स० फा० 2 (16)/73/सी० यू० सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा

मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

